



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-16092021-229731
CG-DL-E-16092021-229731

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 271]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, सितम्बर 16, 2021/भाद्र 25, 1943

No. 271]

NEW DELHI, THURSDAY, SEPTEMBER 16, 2021/BHADRA 25, 1943

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

जांच शुरूआत अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 2021

मामला सं. एडी (एसएसआर) 22 /2021)

विषय : चीन जन.गण. से "5.5 माइक्रोन से 80 माइक्रोन के एल्युमीनियम फॉयल्स" के आयातों से संबंधित निर्णायक समीक्षा जांच की शुरूआत।

फा. सं. 7/27/2021-डीजीटीआर.—1. मै. हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमि., मै. रविराज फॉयल्स लिमि. और मै. जिंदल इंडिया लिमि. (जिन्हें यहां आगे "आवेदक" भी कहा गया है) ने समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे "अधिनियम" भी कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षतिनिर्धारण हेतु) नियमावली, 1995 (जिसे आगे "नियमावली" भी कहा गया है) के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे "प्राधिकारी" भी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन दायर किया है जिसमें चीन जन.गण. (जिसे आगे "संबद्ध देश" भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "5.5 माइक्रोन से 80 माइक्रोन के एल्युमीनियम फॉयल्स" (जिसे आगे "संबद्ध वस्तु" या "विचाराधीन उत्पाद" अथवा

“पीयूसी” भी कहा गया है)के आयातों से संबंधित निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत करने का अनुरोध किया गया है।

2. आवेदकों ने आरोप लगाया है कि पाटनरोधी शुल्क को लागू करने के बाद भी संबद्ध देश से पाटन जारी है और यह कि शुल्कों को समाप्त किए जाने की स्थिति में क्षति और पाटन के जारी रहने या उनकी पुनरावृत्ति की संभावना है और आवेदकों ने संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर शुल्कों के विस्तार के लिए अनुरोध किया है।

पृष्ठभूमि

3. अधिसूचना सं.14/06/2015-डीजीएडी, दिनांक 15 दिसंबर, 2015 के अनुसार प्राधिकारी द्वारा मूल पाटनरोधी जांच आरंभ की गई थी। विस्तृत जांच के पश्चात, प्राधिकारी ने अधिसूचना सं. 14/06/2015-डीजीएडी, दिनांक 10 मार्च के अनुसार चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क को प्रवृत्त करने की सिफारिश की थी। प्राधिकारी की सिफारिश को सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 23/2017-सीमाशुल्क (एडीडी) दिनांक 16 मई, 2017 के अनुसार वित्त मंत्रालय द्वारा क्रियान्वित किया गया था।

विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी)

4. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद “5.5 माइक्रोन से 80 माइक्रोन तक की मोटाई के पेपर, पेपर बोर्ड, प्लास्टिक या इसी तरह की समान पैकिंग सामग्री के साथ मुद्रित या समर्पित हैं अथवा नहीं, के एल्यूमीनियम फॉयल हैं जिनमें ये शामिल नहीं हैं :-

- i. चीन के मूल के 5.5 माइक्रोन से 80 माइक्रोन रेंज की मोटाई के एल्यूमीनियम फॉयल।
- ii. अलू-अलू लेमिनेट :- एए 8079 और एए 8021 में 40-50 माइक्रोन के अलू अलू लेमिनेट एक बहुपरतीय अपारदर्शी लेमिनेट है जहां दोनों तरफ अधेसिव के साथ प्लास्टिक की फिल्म सहित एल्युमिनियम पन्नी का बैक दिया जाता है। पैकिंग कैपस्यूल/टेबलेट में प्रयोग के लिए।
- iii. अल्ट्रा लाइट गॉज कनवर्टिड :-अल्ट्रा लाइट गॉज कनवर्टिड 5.5 माइ. से 7 माइ. की मोटाई वाला एल्यूमीनियम फॉयल है जो क्राफ्ट पेपर और स्क्रिम या ग्लास क्लायथ से बैकड है, चाहे वह सादा हो या प्रिंटेड, इसका प्रयोग इंसुलेशन, स्पाइस पैकिंग, थर्मल फ्ल्यूड लाइन्स कवरींग और टी बैग अनुप्रयोगों के लिए किया जाता है।
- iv. एल्यूमीनियम फॉयल कम्पोजिट : क्राफ्ट पेपर और ग्लास स्क्रिम या ग्लास क्लास पोली एथिलिन के साथ अथवा उसके बिना, चाहे वह प्रिंटेड हो अथवा नहीं, के साथ समर्थित एल्यूमीनियम फॉयल लेमिनेटिड। हालांकि, क्राफ्ट पेपर के साथ लेमिनेटिड या समर्थित एल्यूमीनियम फॉयल विचाराधीन उत्पाद और प्रस्तावित उपायों के दायरे के भीतर हैं।
- v. 500 मि.मी. से कम चौड़ाई के कैपेसीटर के लिए एल्यूमिनियम फॉयल :- कैपेसीटर के लिए एल्यूमीनियम फॉयल 99.35 प्रतिशत शुद्धता के साथ 500 मि.मी. से कम चौड़ाई के साथ 5 माइक्रॉन गॉज के एल्यूमीनियम फॉयल हैं जिनका प्रयोग इलैक्ट्रिकल उपकरणों जैसे रेडियो, टेलीविजन, टेलीफोन, कंप्यूटर्स, माइक्रोवेव ओवन्स, इलैक्ट्रिक वेल्डर्स, मेगनेटोस, इलैक्ट्रानिक टेस्टिंग उपकरण, कॉपी मशीन, एयर कंडीशनर्स, आटो मोबाइल्स, फ्लोरोसेंट लाइट्स, मरकरी पेपर स्ट्रीट लैम्पस, पावर ट्रांसमिशन उपकरण, इलैक्ट्रिक मोटर्स, कंट्रोल पावर ट्रांसमिशन उपकरण, इलैक्ट्रिक मोटर्स, कंट्रोल पावर ट्रांसमिशन उपकरण, इलैक्ट्रिक मोटर्स, कंट्रोल युनिट्स और समान वस्तुओं में किया जाता है।
- vi. नक्काशीदार या गठित एल्यूमीनियम फॉयल :- नक्काशीदार या गठित एल्यूमीनियम फॉयल किए जाने के लिए अभिप्रेरित हैं। लिटिक कैपेसीटर के विनिर्माण में प्रयुक्त इलैक्ट्रो
- vii. एल्यूमीनियम कम्पोजिट पैनल :- यह एक पैसेड क्लेडिंग और सिगनेज में प्रयोग के लिए एल्यूमीनियम की दो पतली परतों के बीच बॉन्डिड नान- एल्यूमीनियम कोर (प्रायः पी ई) है।
- viii. क्लैड विड कम्पेटिबल नॉन क्लैड एल्यूमीनियम फॉयल – एक रेडिएटर, कंडेंसर, एवापोरेटर, इंटर कूलर, ऑयल कूलर और हीटर जैसे आटोमोटिव इंडस्ट्री में इंजन कूलिंग और एयर कंडीशनर सिस्टम में प्रयोग के

लिए हार्ड-स्ट्रैंथ एल्यूमीनियम एलॉय कोर सामग्री के प्रति मेटालर्जीकल बांडिड एल्यूमीनियम सरफेस लेयर्स से निर्मित कोरोजन-रेसिस्टेंस एल्यूमीनियम शीट है।

- ix. बियर बोतल के लिए एल्यूमीनियम फॉयल- बियर बॉटल में प्रयोग किए जाने के लिए खुदरी सतह और छिद्रित सतह, चाहे वे प्रिंटिंग हो या नहीं, के साथ 10.5 माइक्रोन के एल्यूमीनियम फॉयल।
 - x. एल्यूमीनियम मैगनीज:- सिलिकॉन आधारित और/या क्लैड एल्यूमीनियम- मैगनीज-सिलिकॉन आधारित अलॉय चाहे वह क्लैड हो या अनक्लैड :- रेडिएटर, चार्ज एयर कूलर्स, कंडेंसर्स, ऑयल कूलर्स, हीटर कोरस, इवापोरेटर्स, हीट वेंटीलेशन और एयर कंडीशनिंग (एच वी ए सी) सिस्टम और उसके भाग सहित हीट एक्सचेंजर्स में प्रयोग के लिए टैरिफ शीर्ष 7607 के तहत आने वाले, 35 एम पी ए से अधिक पोस्ट ब्रेजिंग उपज शक्ति के साथ।
5. संबद्ध वस्तुओं का प्रयोग बड़े पैमाने पर खाद्य और पेय पदार्थों, फार्मास्युटिकल पैकेजिंग, सिगरेट उद्योग में सिगरेट रैपिंग, तम्बाकू पेसिंग (गुटका), बियर बोतल आदि के संरक्षण, भंडारण और तैयारी के लिए किया जाता है।
 6. विचाराधीन उत्पाद सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 760711, 76071110 76071190, 760719, 76071910, 760719 91, 760719 92, 760719 93, 760719 94, 760719 95, 760719 99, 760720, 76072010 और 76072010के उपशीर्ष 7607 के उपशीर्ष के तहत वर्गीकृत किया गया है। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और किसी भी तरह से विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है। वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र वही है जैसा कि मूल जांच में था।
 7. आवेदकों ने उत्पादों के विभिन्न प्रकारों के बीच उचित प्रतिस्पर्धा के लिए उत्पाद नियंत्रण संख्या (पीसीएन) को अपनाने का प्रस्ताव रखा है। आवेदकों ने बेयर फॉयल और कन्वर्टिड फॉयल के रूप में दो बृहत श्रेणियों के आधार पर पीसीएन का प्रस्ताव रखा है। बेयर फॉयल सादी फॉयल है और कन्वर्टिड फॉयल पेपर, क्राफ्ट, पॉली एथिलीन आदि से समर्थित है।

क्र.सं.	विवरण	पीसीएन	
		माइक्रोन रेंज	बेयर/ कन्वर्टिड
1.	अलू अलू स्टॉक	45-60	बेयर
2.	हाउस फॉइल	8-22	
3.	लाइज गॉज (एलजी)	7-<20	
4.	मीडियम गॉज (एमजी)	20-60	
5.	सेमी रिजिड कन्टेनर (एसआरसी)*	30-80	
6.	अल्ट्रा लाइट गॉज	5.5-<7	
7.	बैटरी फॉयल	9-20	
8.	सिगरेट फॉयल	<=7	कन्वर्टिड
9.	हाउस फॉयल कन्वर्टिड	8-22	
10.	एल जी कन्वर्टिड	7-<20	
11.	एमजी कन्वर्टिड	20-60	
12.	एसआरसी कन्वर्टिड	30-80	
13.	बैटरी फॉयल कन्वर्टिड	9-20	

8. आवेदकों द्वारा सुझाए गए पी सी एन नीचे दिए गए हैं। हालांकि, हितबद्ध पक्षकार इस जांच की शुरुआत की तारीख से 15 दिनों के भीतर इस जांच के प्रयोजन हेतु पी सी एन को अंतिम रूप दिए जाने के लिए अपनी टिप्पणियां/सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं।

समान वस्तु

9. आवेदकों ने दावा किया है कि घरेलू संबद्ध वस्तु घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं भारत को संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के समान वस्तु हैं। संबद्ध देश से आयातित वस्तुएं तकनीकी विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्यों और प्रयोगों, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं की दृष्टि से तुलनीय है। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और नियमावली के अनुसार इन्हें "समान वस्तु" माना जाना चाहिए। अतः वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को संबद्ध देश से आयातित की जा रही संबद्ध वस्तु के "समान वस्तु" माना जा रहा है।

घरेलू उद्योग और स्थिति

10. यह आवेदन मै. हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमि., मै. रविराज फॉयल लिमि. और मै. जिंदल इंडिया लिमि. द्वारा दायर किया गया है। इसके अलावा, इसका समर्थन मै. ग्रीन बैरी फॉयल्स (इंडिया) लिमिटेड द्वारा किया गया है। आवेदकों ने दावा किया है कि उन्होंने न तो संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का आयात किया है और न ही वे संबद्ध देश में संबद्ध वस्तु के किसी निर्यातक या उत्पादक अथवा भारत में विचाराधीन उत्पाद के किसी आयातक से संबंधित है।
11. रिकॉर्ड पर उपलब्ध सूचना पर विचार करते हुए आवेदकों का उत्पादन समान वस्तु के कुल भारतीय उत्पादन का प्रमुख हिस्सा बनता है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए और उचित जांच के पश्चात, प्राधिकारी नोट करते हैं कि 7 के पृष्ठ 4 के अनुसार आवेदक नियम 2(ख) के संदर्भ में पात्र घरेलू उद्योग हैं और आवेदन ऊपर नियमावली के नियम 5(3) की शर्तों के मानदंड को पूरा करता है।

कथित पाटन का आधार

चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य

12. आवेदकों ने चीन के एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15(क) (i) का उल्लेख और उस पर भरोसा किया है। आवेदकों ने दावा किया है कि चीन जन.गण. में उत्पादकों से यह दर्शाने के लिए कहा जाए कि विचाराधीन उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उनके उद्योग में बाजार अर्थव्यवस्था की दशाएं विद्यमान हैं। आवेदक ने बताया है कि यदि प्रतिवादी चीनी उत्पादक यह दर्शाने में असमर्थ रहते हैं कि उनकी लागत और कीमत सूचना बाजार चालित है, तो सामान्य मूल्य नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 और 8 के प्रावधानों के अनुसार परिकलित किया जाना चाहिए।
13. आवेदकों ने अनुरोध किया है कि बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत या परिकलित मूल्य, के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने का प्रयास किया गया था। तथापि, आवेदक को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध किसी सूचना के अभाव में इसके संबंध में विश्वसनीय सूचना नहीं मिल पाई थी। प्राधिकारी ने एडी नियम के अनुबंध 1 के पैरा 7 के प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए नोट किया कि जांच की अवधि के दौरान यूरोपीय संघ से भारत में आयात गैर-पाटित आयातों में सबसे अधिक है और इसलिए ये प्रथम दृष्टया भारत में देय मूल्य को स्थापित करते हैं और दीक्षा के प्रयोजन के लिए सांकेतिक NV के रूप में अपनाया गया।
14. जांच शुरुआत के प्रयोजन हेतु, प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा सुझाए गए सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए क्रिया पद्धति पर विचार किया है।

निर्यात कीमत

15. प्राधिकारी ने संबद्ध देश निर्यात कीमत का परिकलन डी जी सी आई एंड एस के अद्यतन सौदा-वार आयात आकड़ों के आधार पर किया है। समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, पत्तन प्रभार, कमीशन, संभाल प्रभार और बैंक प्रभार के लिए समायोजन किए गए हैं।

पाटन मार्जिन

16. ऊपर यथानिर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए निर्धारित किया गया पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है। इसके प्रथम दृष्टया साक्ष्य हैं कि संबद्ध देश में संबद्ध वस्तुओं का सामान्य मूल्य निवल निर्यात कीमत की तुलना में अधिक है, जिससे यह इंगित होता है कि संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं का प्रवृत्त पाटनरोधी शुल्क के बावजूद पाटन कीमतों पर निर्यातित किया जाना जारी है।

पाटन और क्षति के जारी रहने/पुनरावृत्ति की संभावना

17. संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा और कीमत, सकारात्मक पाटन मार्जिन, संबद्ध देश में अप्रयुक्त महत्वपूर्ण क्षमताओं, संबद्ध देश के विरुद्ध अन्य देशों द्वारा लागू व्यापार उपचारात्मक उपायों की विद्यमानता, संभावित व्यापार विषयन और भारतीय बाजार की कीमत आकर्षकता पर विचार करते हुए, शुल्क के समापन की स्थिति में घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने/पुनरावृत्ति की संभावना के प्रथम दृष्टया प्रमाण हैं। प्रथम दृष्टया यह नोट किया गया है कि पाटनरोधी शुल्क के समाप्ति की स्थिति में घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने/पुनरावृत्ति की संभावना है।

निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत

18. घरेलू उद्योग की ओर से किए गए विधिवत रूप से साक्ष्यांकित लिखित आवेदन के आधार पर नियमावली के नियम 23(1ख) के साथ पठित अधिनियम की धारा 9 क(5) के अनुसरण में, घरेलू उद्योग को पाटन और क्षति के जारी रहने या पुनरावृत्ति होने की संभावना की पुष्टि करते हुए आवेदकों द्वारा प्रस्तुत प्रथमदृष्टया साक्ष्य के आधार पर संतुष्ट होने पर प्राधिकारी एतद्वारा संबद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के संबंध में प्रवृत्त शुल्कों के प्रवर्तन को जारी रखने की जरूरत की समीक्षा करने और यह जांच करने के लिए कि क्या वर्तमान पाटनरोधी शुल्क की समाप्ति से घरेलू उद्योग को पाटन और परिणामी क्षति के जारी रहने या उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना है, एक निर्णायक समीक्षा जांच की शुरुआत करते हैं।

संबद्ध देश

19. वर्तमान जांच में संबद्ध देश चीन जन.गण. है।

जांच की अवधि (पीओआई)

20. प्राधिकारी ने जांच के लिए जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2021 (12 माह) की अवधि का प्रस्ताव किया है। क्षति जांच की अवधि में 2017-18, 2018-19, 2019-20 और जांच की अवधि शामिल होगी।

प्रक्रिया

21. निर्णायक समीक्षा जांच में पाटन और क्षति की संभावना संबंधी विश्लेषण शामिल होगा।
22. इस निर्णायक समीक्षा जांच में दिनांक 10 मार्च, 2017 की अधिसूचना सं. 14/06/2015-डीजीएडी जिसमें जिनमें चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की गई थी, के माध्यम से प्रकाशित अंतिम जांच परिणाम के सभी पहलू शामिल होंगे। प्राधिकारी यथा अपेक्षित पाटन और क्षति की संभावना संबंधी विश्लेषण को भी अपनाएंगे।
23. संबंधित नियमावली के नियम 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19 और 20 के प्रावधान आवश्यक संशोधनों के साथ इस समीक्षा पर लागू होंगे।

सूचना प्रस्तुत करना

24. कोविड-19 महामारी से उत्पन्न विशेष परिस्थितियों के मद्देजर निर्दिष्ट प्राधिकारी को समस्त पत्र ई-मेल पतों adg11-dgtr@gov.in, dir11-dgtr@gov.in, dir13-dgtr@gov.in, dd16-dgtr@gov.in पर ई-मेल के माध्यम से भेजे जाने चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि अनुरोध का वर्णनात्मक हिस्सा पीडीएफ/एमएस वर्ड फॉर्मेट में और आंकड़ों की फाइल एम एस एक्सल फॉर्मेट में खोजे जाने योग्य हो।

25. संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, भारत में स्थित उनके दूतावास के जरिए संबद्ध देशों की सरकार, भारत में संबद्ध वस्तु से संबंधित समझे जाने वाले आयातकों और प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग को नीचे निर्धारित की गई समय सीमा के भीतर विहित प्रपत्र में एवं ढंग से समस्त संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए अलग से सूचित किया जा रहा है।
26. कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी नीचे दी गई समय सीमा के भीतर विहित प्रपत्र और ढंग से इस जांच से संगत अपने अनुरोध प्रस्तुत कर सकता है।
27. प्राधिकारी के समक्ष कोई गोपनीय अनुरोध करने वाले किसी पक्षकार के लिए अन्य पक्षकारों को उपलब्ध कराने हेतु उसका एक अगोपनीय अंश प्रस्तुत करना अपेक्षित है।
28. हितबद्ध पक्षकारों को यह भी सलाह दी जाती है कि इस जांच के संबंध में किसी भी अद्यतन सूचना के लिए वे निर्दिष्ट प्राधिकारी की अधिकारिक वेबसाइट अर्थात् <http://www.dgtr.gov.in/> को नियमित रूप से देखते रहें।

समय सीमा

29. वर्तमान जांच से संबंधित कोई सूचना नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार सूचना की प्राप्ति की तारीख से 30 दिनों के भीतर ईमेल पत्तों adg11-dgtr@gov.in, dir11-dgtr@gov.in, dir13-dgtr@gov.in, dd16-dgtr@gov.in पर ई-मेल के माध्यम से निर्दिष्ट प्राधिकारी को भेजी जानी चाहिए। यदि विहित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है या प्राप्त सूचना अधूरी होती है तो प्राधिकारी नियमावली के अनुसार रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।
30. सभी हितबद्ध पक्षकारों को एतद्वारा वर्तमान मामले में अपने हित (हित के स्वरूप सहित) की सूचना देने और उपर्युक्त समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दी जाती है।

गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

31. प्राधिकारी के समक्ष कोई गोपनीय अनुरोध करने या गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार को नियमावली के नियम 7(2) और इस संबंध में जारी व्यापार नोटिसों के अनुसार उसका अगोपनीय अंश भी साथ में प्रस्तुत करना अपेक्षित है। उपर्युक्त का पालन न करने पर उत्तर/अनुरोध को अस्वीकृत किया जा सकता है।
32. प्रश्नावली के उत्तर सहित प्राधिकारी के समक्ष कोई अनुरोध (उससे संलग्न परिशिष्ट/अनुबंध सहित) प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों के लिए गोपनीय और अगोपनीय अंश अलग-अलग प्रस्तुत करना अपेक्षित है।
33. "गोपनीय" या "अगोपनीय" अनुरोधों पर स्पष्ट रूप से प्रत्येक पृष्ठ पर "गोपनीय" या "अगोपनीय" अंकित होना चाहिए। ऐसे अंकन के बिना प्रस्तुत सूचना को प्राधिकारी द्वारा अगोपनीय माना जाएगा और प्राधिकारी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को ऐसे अनुरोध का निरीक्षण करने की अनुमति देने के लिए स्वतंत्र होंगे।
34. गोपनीय पाठ में ऐसी समस्त सूचना होगी जो स्वाभाविक रूप से गोपनीय है और/अथवा ऐसी अन्य सूचना जिसके ऐसी सूचना के प्रदाता द्वारा गोपनीय होने का दावा किया गया है। स्वाभाविक रूप से गोपनीय होने का दावा की गई सूचना या अन्य कारणों से गोपनीयता का दावा की गई सूचना के संबंध में सूचना प्रदाता को प्रदत्त सूचना के साथ ऐसे कारणों का विवरण प्रस्तुत करना होगा कि उस सूचना का प्रकटन क्यों नहीं किया जा सकता है।
35. अगोपनीय रूपांतरण को उस सूचना, जिसके बारे में गोपनीयता का दावा किया गया है, पर निर्भर रहते हुए अधिमानतः सूचीबद्ध या रिक्त छोड़ी गई (यदि सूचीबद्ध करना व्यवहार्य न हो) और सारांशीकृत गोपनीय सूचना के साथ गोपनीय रूपांतरण की अनुकृति होना अपेक्षित है। अगोपनीय सारांश पर्याप्त विस्तृत होना चाहिए ताकि गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की विषय वस्तु को तर्कसंगत ढंग से समझा जा सके। तथापि, आपवादिक परिस्थितियों में गोपनीय सूचना प्रदाता पक्षकार यह इंगित कर सकते हैं कि ऐसी सूचना का सारांश संभव नहीं है और प्राधिकारी की संतुष्टि के अनुसार इस आशय के कारणों का एक विवरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए कि सारांशीकरण क्यों संभव नहीं है।
36. प्रस्तुत सूचना के स्वरूप की जांच करने के बाद प्राधिकारी गोपनीयता के अनुरोध को स्वीकार या अस्वीकार कर सकते हैं। यदि प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हैं कि गोपनीयता का अनुरोध अपेक्षित नहीं है अथवा सूचना प्रदाता

उक्त सूचना को सार्वजनिक करने या सामान्य रूप में अथवा सारांश रूप में उसके प्रकटन को प्राधिकृत करने का अनिच्छुक है तो वह ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं।

37. सार्थक अगोपनीय रूपांतरण के बिना या गोपनीयता के दावे के बारे में यथोचित कारण के विवरण के बिना किए गए किसी अनुरोध को प्राधिकारी द्वारा रिकॉर्ड में नहीं लिया जाएगा।
38. प्रदत्त सूचना की गोपनीयता की जरूरत से संतुष्ट होने और उसे स्वीकार कर लेने के बाद प्राधिकारी ऐसी सूचना के प्रदाता पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकार के बिना किसी पक्षकार को उसका प्रकटन नहीं करेंगे।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

39. हितबद्ध पक्षकारों की एक सूची डी जी टी आर की वेबसाइट पर इस अनुरोध के साथ अपलोड की जाएगी कि वे अन्य सभी हितबद्ध पक्षकारों को अपने अनुरोधों के अगोपनीय अंश को ई-मेल कर दें क्योंकि वर्तमान वैश्विक महामारी के कारण सार्वजनिक फाइल भौतिक रूप में उपलब्ध नहीं रहेगी।

असहयोग

40. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार उचित अवधि के भीतर आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी ऐसे हितबद्ध पक्षकार को असहयोगी घोषित कर सकते हैं और अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

अनंत स्वरूप, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 16th September, 2021

(Case No. AD (SSR) 22 /2021)

Subject: Initiation of sunset review investigation concerning imports of “Aluminum Foil 5.5 Micron to 80 Micron” from China PR.

No. 7/27/2021-DGTR.—1. M/s Hindalco Industries Ltd., M/s. Raviraj Foils Ltd., and M/s. Jindal India Ltd. (hereinafter also referred to as the “Applicants”) has filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the “Authority”) on behalf of domestic industry, in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the “Act”) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Antidumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter also referred to as the “Rules”) for initiation of sunset review investigation concerning imports of “Aluminum Foil 5.5 Micron to 80 Micron” (hereinafter referred to as ‘product under consideration’ or ‘PUC’ or ‘subject goods’) originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as ‘subject country’).

2. The Applicants have alleged that dumping from the subject country has continued even after the imposition of anti-dumping duty and that there is likelihood of continuation / recurrence of dumping and injury in case of cessation of duties. The Applicants have requested for extension of duties on imports of subject goods, originating in or exported from the subject country.

Background

3. The original anti-dumping investigation was initiated by the Authority vide Notification No. 14/06/2015-DGAD dated 15th December 2015. After a detailed investigation, the Designated

Authority recommended imposition of Anti-dumping duty on imports of the subject goods from China PR, vide Notification No. 14/06/2015-DGAD, dated 10th March. The recommendation of the Authority was implemented by the Ministry of Finance vide Custom Notification No. 23/2017-Customs (ADD) dated 16th May, 2017. The current anti-dumping duty are in force till 15th May 2022.

Product under Consideration (PUC)

4. The product under consideration in the present investigation is “Aluminium Foil whether or not printed or backed with paper, paper board, plastics or similar packing materials of a thickness ranging from 5.5 micron to 80 micron” excluding the following:
 - i. Aluminium foil of thickness ranging from 5.5 micron to 80 micro-originating in China.
 - ii. Alu Alu Laminate: Alu Alu Laminate of 40 - 50 mic in AA8079 & AA8021, is a multilayered opaque laminate where Aluminium foil and is backed with plastic film on both side with adhesives; for use in packing capsules/tablets.
 - iii. Ultra-Light Gauge Converted: Ultra-Light Gauge Converted is an aluminium foil having thickness of 5.5 mic to 7 mic which is backed with kraft paper & scrim, or glass cloth, whether plain or printed for use in insulation, spices packing, thermal fluid lines covering and tea bags application.
 - iv. Aluminium Foil Composite: Aluminium foil laminated with or backed with Kraft paper and glass scrim or glass cloth with or without poly ethylene, whether printed or not printed. Aluminium foil laminated with or backed with Kraft paper however is within the scope of the product under consideration and proposed measures.
 - v. Aluminum foil for capacitors width below 500 mm: Aluminum foil for capacitors is an Aluminum foil of 5-micron gauge with width below 500 mm 99.35% purity, for use in electrical equipment such as radios, televisions, telephones, computers, microwave ovens, electrical welders, magnetos, electronic testing equipment, copy machines, air conditioners, automobiles, fluorescent lights, mercury vapour street lamps, power transmission equipment, electric motors, control units, and similar articles.
 - vi. Etched or formed Aluminium Foils: Etched or formed Aluminium Foils is Aluminium Foil meant to be used in the manufacture of Electrolytic Capacitor.
 - vii. Aluminium composite panel: Aluminium composite panel is a non-aluminium core (often PE) bonded between two thin layers of aluminium, for use in facade cladding and signage.
 - viii. Clad with compatible non clad Aluminium Foil: Clad with compatible non clad Aluminium Foil is a corrosion-resistant Aluminium sheet formed from Aluminium surface layers metallurgically bonded to high-strength Aluminium alloy core material for use in engine cooling and air conditioner systems in automotive industry; such as radiator, condenser, evaporator, intercooler, oil cooler and heater.
 - ix. Aluminium Foil for beer bottle: Aluminium Foil of 10.5 micron with rough surface and perforated whether printed or not; to be used in beer bottle.
 - x. Aluminium- Manganese- Silicon based and/ or clad Aluminium- Manganese- Silicon based alloys, whether clad or unclad: with post brazing yield strength greater than 35 MPA, falling under tariff heading 7607 for use in heat exchangers including radiators, charge air coolers, condensers, oil coolers, heater cores, evaporators, heat ventilation and air conditioning (HVAC) systems and parts thereof.
5. The subject goods are used extensively for protection, storage, and preparation of foods and beverages, pharmaceutical packaging, cigarette industry for wrapping cigarettes, tabaco pacing (Gutkha), beer bottles etc.
6. The product under consideration is classified under subheading 7607 of the Customs Tariff Act 760711, 76071110 76071190, 760719, 76071910, 760719 91, 760719 92, 760719 93, 760719 94, 760719 95, 760719 99, 760720, 76072010 and 76072010. The customs classification is indicative only and is not binding on the scope of the product under consideration. The scope of the product

under consideration in the present sunset review investigation is the same as in the original investigation.

7. The Applicants have proposed for the adoption of Product Control Numbers (PCNs) for the fair comparison between different types of products. The Applicants have proposed the PCNs based on the two broad categories as bare foil and converted foil. Bare foil is plain foil and converted foil is backed with paper, kraft, polyethylene etc.

SN	Description	PCN	
		Micron Range	Bare/Converted
1.	Alu Alu Stock	45-60	Bare
2.	House Foil	8-22	
3.	Light Gauge (LG)	7-<20	
4.	Medium Gauge (MG)	20-60	
5.	Semi Rigid Container (SRC)*	30-80	
6.	Ultra Light Gauge	5.5-<7	
7.	Battery Foil	9-20	
8.	Cigarette Foil	<=7	Converted
9.	House Foil Converted	8-22	
10.	LG Converted	7-<20	
11.	MG Converted	20-60	
12.	SRC Converted	30-80	
13.	Battery Foil Converted	9-20	

8. The PCNs as suggested by the Applicants are given. The interested parties however, can provide their comments/suggestions for the finalization of PCNs for the purpose of this investigation within 15 days from the date of initiation of this investigation.

Like Article

9. The Applicants have claimed that the goods produced by the domestic industry are identical to the subject goods exported from the subject country to India. Subject goods produced by the domestic industry are comparable to the imported goods from subject country in terms of technical specifications, manufacturing process & technology, functions & uses, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable and should be treated as 'like article' under the Rules. Therefore, for the purpose of the present investigation, the subject goods produced by the domestic industry are being treated as 'Like Article' to the subject goods being imported from the subject country.

Domestic Industry and Standing

10. The application has been filed by M/s Hindalco Industries Ltd., M/s. Raviraj Foils Ltd., and M/s. Jindal India Ltd. The application has been supported by M/s. Green Berry Foils India Ltd. The Applicants have claimed that they have neither imported the subject goods from the subject country nor are related to any exporter or producer of subject goods in the subject countries or any importer of the PUC in India.
11. As per evidence available on record, the applicant producers account for a major proportion in the domestic production of the like article in India. In view of the above and after due examination, the Authority notes that the Page 4 of 7 Applicants constitutes eligible domestic industry in terms of Rule 2 (b), and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5(3) of the Rules supra.

Basis of alleged dumping**Normal Value for China PR**

12. The Applicants have cited and relied upon Article 15(a) (i) of China's Accession Protocol. The Applicants have claimed that producers in China PR must be asked to demonstrate that market economy conditions prevail in the industry producing the subject goods with regard to the manufacture, production and sale of the product under consideration. It has been stated by the applicants that in case the responding Chinese Producers are not able to demonstrate that their costs and price information are market driven, the normal value should be calculated in terms of provisions of para 7 and 8 of Annexure I to the Rules.
13. The applicants have submitted that efforts were made to determine normal value on the basis of price or constructed value in a market economy third country. However, the applicants could not get reliable information regarding the same in absence of any publicly available information. The Authority keeping in view the provisions under para 7 of Annex-1 of AD Rule notes that imports from EU to India during the Period of Investigation are highest amongst non-dumped imports and therefore these prima facie establishes the price payable in India and have been adopted as indicative NV for the purpose of initiation.
14. For the purpose of initiation, the Authority has considered the methodology for determination of normal value suggested by the applicants.

Export Price

15. The export price for subject goods for the subject country has been computed based on Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) transaction-wise import data. Price adjustments have been made for ocean freight, marine insurance, port expenses, bank charges, handling charges and commission.

Dumping Margin

16. Considering the normal value and export price determined as above, dumping margin determined is above de-minimis level. There is prima facie evidence that normal value of the subject goods in the subject country is higher than the net export price, thereby indicating that the subject goods originating in or exported from the subject country have continued to be exported at dumped prices, in spite of antidumping duty in force.

Likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury

17. There is prima facie evidence of likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury to the domestic industry in the event of cessation of duty, considering the volume and price of imports of subject goods from subject country, positive dumping margin, significant unutilized capacities in subject country, existence of trade remedial measures imposed by other countries against the subject country, potential trade diversion, and price attractiveness of Indian market. It is prima facie noted that there is likelihood of continuation/recurrence of dumping and injury to the domestic industry in the event of cessation of the anti-dumping duty.

Initiation of Sunset Review Investigation

18. On the basis of the duly substantiated application by or on behalf of the domestic industry, and having satisfied itself, on the basis of the prima facie evidence submitted by the applicants, substantiating likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry, in accordance with Section 9 A (5) of the Act, read with Rule 23(1B) of the Rules, the Authority, hereby, initiates a sunset review investigation to review the need for continued imposition of the duties in force in respect of the subject goods, originating in or exported from the subject country and to examine whether the expiry of existing anti-dumping duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and consequent injury to the Domestic Industry.

Subject Country

19. The subject country for the present investigation is China PR.

Period of Investigation (POI)

20. The Applicants have proposed the period from 1st April 2020 to 31st March 2021 (12 Months) as the period of investigation (POI). The injury period of investigation will, however, cover the periods 2017-18, 2018-19, 2019-20 and the POI.

Procedure

21. The sunset review investigation will undertake likelihood analysis of dumping and Injury.
22. The sunset review investigation will cover all aspects of the Final Findings published vide 14/06/2015-DGAD, dated 10th March, 2017 recommending imposition of Anti-Dumping Duty on imports of subject goods from China PR. The Authority will also undertake likelihood analysis of dumping and injury as required.
23. The provisions of Rules 6,7,8,9,10,11,16,17,18,19 and 20 of the Rules supra shall be mutatis mutandis applicable in this review.

Submission of Information

24. In view of the special circumstances arising out of COVID-19 pandemic, all communication should be sent to the Designated Authority via email at email address adg11-dgtr@gov.in, dir11-dgtr@gov.in, dir13-dgtr@gov.in, dd16-dgtr@gov.in. It should be ensured that the narrative part of the submission is in searchable PDF/ MS Word format and data files are in MS Excel format.
25. The known producers/exporters in the subject country, Government of the subject country through their Embassy in India, the importers and users in India known to be concerned with the subject goods and the domestic industry are being informed separately to enable them to file all the relevant information in the form and manner prescribed within the time-limit set out below.
26. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the form and manner prescribed within the time-limit set out below.
27. Any party making any confidential submission before the Authority is required to make a non-confidential version of the same available to the other parties.
28. Interested parties are further advised to keep a regular watch on the official website of the Designated Authority <http://www.dgtr.gov.in/> for any updated information with respect to this investigation.

Time Limit

29. Any information relating to the present investigation should be sent to the Designated Authority via email at the email addresses adg11-dgtr@gov.in, dir11-dgtr@gov.in, dir13-dgtr@gov.in, dd16-dgtr@gov.in within thirty days from the date of receipt of the notice as per Rule 6(4) of the Anti-Dumping Rules. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules.
30. All the interested parties are hereby advised to intimate their interest (including the nature of interest) in the instant matter and file their questionnaire responses within the above time limit.

Submission of information on confidential basis

31. Any party making any confidential submission or providing information on confidential basis before the Authority, is required to simultaneously submit a non-confidential version of the same in terms of Rule 7(2) of the Rules and the Trade Notices issued in this regard. Failure to adhere to the above may lead to rejection of the response / submissions.
32. The parties making any submission (including Appendices/Annexures attached thereto), before the Authority including questionnaire response, are required to file Confidential and Non-Confidential versions separately.
33. The “confidential” or “non-confidential” submissions must be clearly marked as “confidential” or “non-confidential” at the top of each page. Any submission made without such marking shall be treated as non-confidential by the Authority, and the Authority shall be at liberty to allow the other interested parties to inspect such submissions.

34. The confidential version shall contain all information which is by nature confidential and/or other information which the supplier of such information claims as confidential. For information which are claimed to be confidential by nature or the information on which confidentiality is claimed because of other reasons, the supplier of the information is required to provide a good cause statement along with the supplied information as to why such information cannot be disclosed.
35. The non-confidential version is required to be a replica of the confidential version with the confidential information preferably indexed or blanked out (in case indexation is not feasible) and summarized depending upon the information on which confidentiality is claimed. The non-confidential summary must be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information furnished on confidential basis. However, in exceptional circumstances, the party submitting the confidential information may indicate that such information is not susceptible to summary, and a statement of reasons why summarization is not possible must be provided to the satisfaction of the Authority.
36. The Authority may accept or reject the request for confidentiality on examination of the nature of the information submitted. If the Authority is satisfied the request for confidentiality is not warranted or if the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in generalized or summary form, it may disregard such information.
37. Any submission made without a meaningful non-confidential version thereof or without good cause statement on the confidentiality claim shall not be taken on record by the Authority.
38. The Authority on being satisfied and accepting the need for confidentiality of the information provided, shall not disclose it to any party without specific authorization of the party providing such information.

Inspection of Public File

39. A list of interested parties will be uploaded on DGTR's website along with the request therein to all of them to email the non-confidential version of their submissions to all interested parties since the public file will not be accessible physically due to ongoing global pandemic.

Non-cooperation

40. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may declare such interested party as non-cooperative and record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

ANANT SWARUP, Designated Authority